रणजीत टाइम्स

इंदौर

गुरुवार, 23 अक्टूबर, 2025

वर्ष 01 | अंक 263 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

इंदौर के हातोद रेशम केंद्र गोशाला में

सीएम डॉ. मोहन यादव ने की गोवर्धन पूजा

दैनिक रणजीत टाइम्स

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हातोद में आयोजित गोवर्धन पूजा में शामिल हुए। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा टाइगर अभ्यारण हो सकता है, लेकिन गो अभ्यारण नहीं हो सकता है। गोमाता तो एक तरह से माता के रूप में स्थापित है। आज के दौर में जमीन छोटी पड़ती जा रही है। हमारे पास सिंचाई के साधन बढ़ गए, ट्रैक्टर की व्यवस्था हो गई। गोवंश के आधार पर जो खेती होती, उसमें थोड़ा फर्क आ गया है। इस बात की प्रसन्नता है कि अब प्राकृतिक खेती के आधार पर जो पंजीयन कराएगा, उन्हें एमएसपी के साथ अलग से भी राशि दी जाएगी। अपनी जैविक खेती बढ़ाते हुए अपने वंश को भी सुरक्षित करें। आज खेती में जिस प्रकार से रासायनिक खादों का उपयोग हो रहा है ओर उसके माध्यम से क्या होता है वह बताने की जरूरत नहीं है। उन्होंने विधि-विधान से पूजा की और गाय के बछड़े को गोद में उठाकर दुलार किया। नगर निगम की हातोद स्थित रेशम केंद्र गोशाला में गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि सीएम डॉ. मोहन यादव गोवर्धन पूजा संपन्न कराई और गो सेवा से जुड़े कामों का अवलोकन किया। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि प्रदेश के सभी विधायकों को 5 लाख रुपए हर साल अपने क्षेत्र की गोशाला को देना चाहिए। सांसद 10 लाख रुपए दे। अपने बच्चों में संस्कार देने के लिए जन्मदिन गोमाता की सेवा करके मनाना चाहिए। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि यह गोशाला मंत्री तुलसी सिलावट की विधानसभा में आती है। विजयवर्गीय ने उन्हें कहा यहां किसी तरह की कमी न आए। गोशाला के महाराज अच्युतानंद जी आपसे एक रुपया मांगें तो आप दो देना, और पांच मांगें तो दस। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के हातौद में रेशम केंद्र खजूरिया गौशाला में गोवर्धन पूजा के दौरान गौवंश का पूजन कर उन्हें दुलार किया।

तमिलनाडु में भारी बारिश 5 जिलों में स्कूल बंद

चेन्नई के मरीना बीच पर तूफान का खतरा, केरल, आंध्र और पुडुचेरी में भी अलर्ट

दैनिक रणजीत टाइम्स

देश के दक्षिण राज्यों में उत्तर-पूर्वी मानसून के कारण बीते 2 दिन से तेज बारिश हो रही है। तमिलनाडु में आज बुधवार को भारी बारिश की चेतावनी है। राज्य के तिरुवल्लूर, चेन्नई, कांचीपुरम, चेंगलपट्टू और डेल्टा जिलों में मंगलवार से बारिश जारी है। चेन्नई में सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। यहां अगले 4 दिनों तक बारिश का अलर्ट है। कुड्डालोर, विल्लुपुरम, रानीपेट, थूथुकुडी जिलों में भी स्कूल-कॉलेज में छुट्टी घोषित की गई है। तमिलनाडु सरकार ने प्रशासन को अलर्ट मोड रहने का निर्देश दिया है। इधर, बारिश के बीच चेन्नई के मरीना बीच से तेज समुद्री लहरें हवाएं तट से टकरा रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, अगले कुछ दिन तूफान की आशंका बनी रहेगी। प्रशासन ने मछुआरों और तटीय इलाकों के लोगों से सतर्क रहने को कहा है। तमिलनाडु के अलावा केरल, आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी में भी बारिश जारी है। पुडुचेरी और कराईकल में स्कूल-कॉलेज बंद हैं। आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में प्रशासन अलर्ट पर है। स्कूल में छट्टी कर दी गई है।

मप्र में भी आंधी-बारिश का अलर्ट जारी

शाम तक, भोपाल। मध्यप्रदेश के दक्षिणी हिस्से में आंधी, बारिश और गरज-चमक का सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से दक्षिणी जिलों में मौसम बदला हुआ है। दिवाली की रात जबलपुर में तेज बारिश हुई तो मंगलवार को भोपाल समेत कई जिलों में बादल छाए रहे। कुछ जगहों पर बूंदाबांदी भी हुई। ऐसा ही मौसम बुधवार को भी बना रहेगा। मौसम विभाग ने अलीराजपुर, धार, बड़वानी, इंदौर, खरगोन, देवास, खंडवा, हरदा, बुरहानपुर, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी और बालाघाट में हल्की बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी किया है। वहीं, 23, 24 और 25 अक्टूबर को भी ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पूर्व अरब सागर में एक निम्न दवाब क्षेत्र एक्टिव है। यह अगले 24 घंटे के दौरान अवदाब में परिवर्तित होने लगेगा। वहीं, चक्रवात की एक्टिविटी भी की है। इनका असर प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में देखने को मिलेगा।

जबलपुर में आरएसएस की अखिल भारतीय बैठक, संघ प्रमुख भागवत होंगे शामिल

शाम तक, भोपाल। मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक नगरी जबलपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की महत्वपूर्ण वार्षिक बैठक आयोजित होने जा रही है। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक चलेगा, जिसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत के अलावा कई वरिष्ठ पदाधिकारी भाग लेंगे। विजयनगर क्षेत्र में होने वाली इस बैठक के लिए व्यापक तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इस अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में संघ के 46 प्रांतों से प्रतिनिधि शामिल होंगे। आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह-सरकार्यवाह, अखिल भारतीय अधिकारी, क्षेत्र एवं प्रांत स्तर के संघचालक, कार्यवाह, प्रचारक तथा समविचारी संगठनों के प्रमुख नेता उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन संघ की संगठनात्मक गतिविधियों, रणनीतियों और भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श का प्रमुख मंच साबित होगा। आरएसएस के 101वें वर्ष में प्रवेश के बाद शताब्दी समारोह की समीक्षा और आने वाले समय की दिशा-निर्देश पर फोकस रहेगा। विशेष रूप से विजयादशमी संबोधन, शताब्दी वर्ष के राष्ट्रीय आयोजनों की पड़ताल तथा अक्टूबर 2026 तक की पंच परिवर्तन जैसी पहलों पर चर्चा होगी।

दीपावली के बाद ग्वालियर, सागर और मंडीदीप की हवा प्रदूषित

दैनिक रणजीत टाइम्स

मध्य प्रदेश में दिवाली की रौनक भले ही बरकरार रही हो, लेकिन पटाखों की चमक ने हवा को जहरीला बना दिया है। राज्य के प्रमुख शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक स्तर खतरनाक सीमा को छू गया है, जिससे सांस लेना मुश्किल हो चला है। भोपाल और इंदौर जैसे महानगरों में प्रदूषण का कहर जारी है, जबकि अन्य जिलों में भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्तर अस्वस्थ और खराब श्रेणी में पहुंच चुका है, जो स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा पैदा कर रहा है। दरअसल, मध्य प्रदेश में वायु प्रदूषण का स्तर एक बार फिर चिंताजनक स्थिति में पहुंच गया है। एमपीपीसीबी के ताजा आंकड़ों के अनुसार, ग्वालियर, सागर और मंडीदीप जैसे शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब स्थिति में है। विशेषज्ञों के अनुसार, तापमान में गिरावट, त्योहारों के बाद का धुआं, और हवा की कम गति इस प्रदूषण के पीछे मुख्य कारण है। मध्य प्रदेश के शहरों में हवा का यह हाल आने वाले दिनों में और बिगड़ सकता है। यदि तत्काल कदम नहीं उठाए गए।

शहर	एक्यूआई	श्रेणी
ग्वालियर	302	बहुत खराब
सागर	231	बहुत खराब
मंडीदीप	220	बहुत खराब
जबलपुर	206	खराब
पीथमपुर	180	खराब
बैतूल	167	खराब
इंदौर	161	खराब
भोपाल	156	खराब
देवास	137	मध्यम
कटनी	110	मध्यम

प्रमुख शहरों की स्थिति

ग्वालियर: इस समय मप्र का सबसे प्रदूषित शहर। यहां हवा बहुत खराब स्थिति में है। हृदय/सांस के रोगियों के लिए ये स्थिति खतरनाक हो सकती है।

सागर-मंडीदीप: तेजी से बढ़ते औद्योगिक क्षेत्रों में लगातार वायु गुणवत्ता बिगड़ती जा रही है। प्रशासन से कड़े कदमों की मांग उठ रही है।

भोपाल-इंदौर: आमतौर पर अपेक्षाकृत साफ रहने वाले शहर अब खराब एक्यूआई श्रेणी में पहुंच चुके हैं। कलेक्टरेट और अन्य व्यस्त इलाकों में प्रदूषण ज्यादा है।

दमोह: एकमात्र जिला है जहां एक्यूआाई 90 पर स्थिर है, जो मध्यम स्तर का संकेत देता है। ये आंकड़े दिवाली के ठीक बाद के हैं।

यमुना पर छठ की पूजा से प्रतिबंध हमारी सरकार ने हटाया

सीएम बोलीं- पिछली सरकार में लगे मुकदमे हटेंगे

एजेंसी, दिल्ली। छठ पूजा को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर तैयारियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि ÷वर्षों से यमुना पर छठ की पूजा सरकार द्वारा बंद कर दी गई थी जिस प्रतिबंध को इस बार हमारी सरकार ने हटाया है। लगभग 17 पॉइंट्स पर सरकार द्वारा मॉडल छठ घाट बनाए जा रहे हैं। दिल्ली में 1000 से अधिक छठ कार्यक्रमों के लिए आवेदन आ चुके हैं। इस सब में सारी व्यवस्थाएं सरकार की तरफ से दी जाएंगी। हर जिले में कम से कम एक मॉडल छठ घाट जरूर बनाया जाएगा। इस वर्ष, शहर में छठ पूजा स्थलों की संख्या पिछले वर्षों की तुलना में काफी बढ़ने की उम्मीद है। पिछले वर्ष, केवल 929 स्थानों पर छठ कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। लेकिन आज तक, हमें छठ पूजा मनाने के लिए समितियों से 1000 से ज्यादा आवेदन प्राप्त हुए हैं।

उत्तराखंड में मप्र का इंजीनियार लापता, सीएम डॉ. यादव ने धामी से की बात

दैनिक रणजीत टाइम्स

मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव ने उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात की है और निवाड़ी जिले के हेमंत सोनी का पता लगाने के लिए त्वरित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है, जो ऋषिकेश में गंगा नदी में गिरने के बाद लापता हो गए थे। दरअसल, निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर क्षेत्र के रहने वाले सॉफ्टवेयर इंजीनियर हेमंत सोनी (30) अपने दोस्त अक्षय सेठ और एक चचेरे भाई के साथ ऋषिकेश गए थे और 16 अक्टूबर को बजरंग सेतु पुल से गिर गए थे। हेमंत के चचेरे भाई अमित सोनी ने बताया कि पुल निर्माणाधीन था और वहां कोई सुरक्षा गार्ड नहीं था। हेमंत को एक फोन आया और वह बात करते हुए आगे गए, तभी अचानक उनके गिरने की आवाज सुनाई दी। घटना के बाद से ही बचाव दल और स्थानीय पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है, लेकिन नदी की तेज धाराएं इस प्रयास में बाधा डाल रही हैं। लापता इंजीनियार के परिवार और स्थानीय विधायक द्वारा मदद की अपील के बाद सीएम मोहन यादव ने धामी से फोन पर बात की। उन्होंने एनडीआरएफ और बचाव एजेंसियों द्वारा त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

घर का चिराग लौट आए

हेमंत के चाचा भरत सोनी ने एक भावुक वीडियो जारी कर मुख्यमंत्री से अनुरोध किया था। उन्होंने कहा- हम चाहते हैं कि हमारा भतीजा सुरक्षित घर लौट आए। वह हमारे घर का इकलौता चिराग है। चाहे सरकार हेलीकॉप्टर से खोज करे या एनडीआरएफ से, हम चाहते हैं कि वह मिल जाए।

एमआईजी थाना अंतर्गत स्वर्ण बाग कॉलोनी में हुई हत्या के आरोपी थाना एमआईजी की गिरफ्त में

दीपक वाड़ेकर

इंदौर। थाना एम आई जी 'घटना घटित होने के 12 घंटे के भीतर पुलिस ने की कार्रवायी मामूली विवाद पर से आरोपियों ने दिया था हत्या की वारदात को अंजाम दोनों आरोपी घटना में प्रयुक्त स्कूटी से पुलिस को देखकर भागे पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा

घटना का संक्षिप्त विवरण

फरियादी आयुष रणछौर पिता सुनिल रणछोर उम्र 19 साल निवासी 238 स्वर्णबाग कालोनी इन्दौर ने थाने आकर बताया कि वह लाईट फिटिंग का काम करता है दिनाक 21/10/2025 को दोपहर 12.45 बजे की बात है कि फरियादी अपने दोस्त शुभम व क्षितिज खोमने (मृतक) के साथ मोनू किराना स्टोर के पास वाली गली में बैठे हुए थे तभी एक स्कुटी एक्सीस 125 सी.सी. व एक मोटरसाईकल पर सवार होकर करण उर्फ रोक व कालू उर्फ चाकू व एक अन्य आरोपी हमारे पास आये और अभिषेक उर्फ कालू तथा करण दोनो गाड़ी से उत्तर कर मेरे दोस्त क्षितिज के नजदीक आये और करण ने क्षितिज के बाल पकड कर खड़ा किया और बोला कि क्यो रे कल के विवाद में तू बहुत तेज चल रहा था और सभी लोग मां बहन की नंगी नंगी गालीया देने लगे तभी हमने बोला कि क्षितिज को छोड दो वह नहीं माने और करण ने कमर से चाकू निकाला और अभिषेक उर्फ कालू ने करण से चाकू छिन कर जान से मारने की नियत से क्षितिज के बाये कुल्हे पर व बाये जांघ पर पिछे वार किये जिससे क्षितिज को चोट लगकर खून निकलने लगा चाकू मार कर वह अपनी गाडीयो से भाग गये। तभी क्षितिज की मम्मी रितु खोमने व भाई

भी आ गये और हम सभी ने क्षितिज को डी.एन. एस. अस्पताल लेकर गये जहा उसका इलाज चालू हुआ। कुछ देर बाद डाक्टर साहाब ने क्षितिज को मृत होना बताया। फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना एमआईजी पर हत्या का अपराध क्रमांक 516/25 धारा 103, 296.34 बी.एन.एस का पंजीबद्ध किया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त महोदय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह एवं एडिशनल कमिश्नर पुलिस इंदौर श्री अमित सिंह द्वारा तत्काल कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस उपायुक्त जोन 2 श्री कुमार प्रतीक द्वारा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन 2. श्री अमरेंद्र सिंह एवं सहायक पुलिस आयुक्त परदेसीपुरा श्रीमती हिमानी मिश्रा को तत्काल कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया एवं थाना प्रभारी सी०बी० सिंह के नेतृत्व में आरोपियों को पकड़ने के लिए एक विशेष टीम का गठन कर तत्काल कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। गठित टीम द्वारा घटनास्थल के आसपास सी.सी.टी.वी फुटेज प्राप्त किये गए, जिसके आधार पर कार्य करते हुए गठित टीम द्वारा प्रकरण के आरोपी अभिषेक कालू और करण उर्फ रॉक के घर पर दबिश दी गई लेकिन दोनों घरों से फरार हो चुके थे। बाद रात्रि में मुखबीर सूचना मिली कि हत्या के आरोपी श्री माया होटल के पीछे एबी रोड पर खाली मैदान में गाड़ी पर बैठे हुए हैं भागने की योजना बना रहे हैं टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर आरोपी गण की घेराबंदी की गई आरोपी पुलिस को देखकर गाड़ी से भागे टीम द्वारा पीछा किया गया दोनों आरोपी उबड़ खाबड जगह में गाड़ी घुसा दी फिसलने से दोनों आरोपी गिर पड़े बाद दोनों आरोपी अभिषेक उर्फ कालू पिता मंसाराम खंडे उम्र 25 साल निवासी सुंदर नगर इंदौर व करण उर्फ रॉक पिता संतोष भगोरे निवासी सुंदर नगर इंदौर को गिरफ्तार किया गया तथा घटना में प्रयुक्त गाड़ी भी जप्त कर ली अन्य आरोपीगर्णा के बारे में पूछताछ की जा रही है घटना में प्रयुक्त चाकू के बारे में भी पूछताछ जारी है आरोपीगणों का पुलिस रिमांड लिया जा रहा है।

आरोपी गण द्वारा घटना से एक दिन पहले मामूली विवाद मृतक क्षितिज खोमने और उसके साथियों के साथ होना बताया था जिसमें मृतक द्वारा आरोपीगणों की बेइज्जती की गई थी, जिसका बदला लेने के लिए आरोपीगणों द्वारा क्षितिज की हत्या की गई। आरोपीगणों से अपराध में प्रयुक्त एक एक्सेस गाड़ी जप्त की गई है।

आरोपीगण पूर्व से 1 साल के लिए बाउंडओवर है जिन पर बाउंड ओवर की शर्त तोड़ने पर पृथक से कार्रवाई की जा रही है।"

गिरफ्तार आरोपीगण

1. अभिषेक उर्फ कालू पिता मंसाराम खंडे उम्र 25 साल निवासी सुंदर नगर इंदौर

2. करण उर्फ रॉक पिता संतोष भगोरे उम्र 26 वर्ष निवासी सुंदर नगर इंदौर

जप्त मश्रूगा 01 सुजूकी ऐक्सेस कंपनी की स्कूटी क्रमांक एमपी 09/DZ/1530

सराहनीय भनिका

संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी एमआईजी श्री सी.बी. सिंह तथा उनकी टीम उप निरीक्षक राहुल डाबर उप निरीक्षक कमल माहेश्वरी, उपनिरीक्षक अरुण मलिक ए.एस.आई आनंद कुमार प्रधान आरक्षक लोकेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक राजकुमार चौबे, प्रधान आरक्षक मनोहर सिंह प्रधान आरक्षक सत्येंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक शिव यादव, प्रधान आरक्षक राजू तथा साइबर सेल के आरक्षक प्रवीण की सराहनीय भूमिका रही।

श्री आदिशंकराचार्य वर्णित आत्मैक्य बोध का ज्ञान ही सहजयोग

वदन्तु शास्त्राणि यजन्तु देवान् कुर्वन्तु कर्माणि भजन्तु देवताः ।

आत्मैक्यबोधेन बिना विमुक्तिः न सिध्यति ब्रह्मशतान्तरेऽपि ॥

श्री आदिशंकराचार्य प. पूज्य श्रीमाताजी प्रणित सहजयोग आत्मबोध या आत्मतत्व की बात करता है। जब हम आत्म तत्व की बात करते हैं तो हमें लगेगा कि ये बड़ा जटिल विषय है। आत्मा-परमात्मा, ये बातें हमें रोजमर्रा के जीवन में उपयोग में आनेवाली नहीं लगती। परंतु जीवन में हम सभी कुछ न कुछ खोज रहे हैं, और हमारी ये खोज तभी पूर्ण होगी जब हम हमारे आत्मतत्व को जान जाएंगे। सहजयोग में जब साधक को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तब उसे यह अनुभूति उसके हृदय में और उसके सूक्ष्म शरीर पर होती है। परंतु आज के विज्ञान के युग में हम भ्रमित हैं तथा माया और भ्रम का प्रभाव इतना अधिक है कि कई बार मानव सत्य को समझ नहीं पाता। बाहर का आडंबर, कर्मकांड, छद्म, कट्टरता, अंधविश्वास को ही धर्म या योग समझ लेता है। इसलिये

श्री आदिशंकराचार्य ने अपने शिष्यों को ग्रंथ 'विवेकचूडामणि में वैज्ञानिक दृष्टीकोण से सत्य अनुभव करने को कहा। उपरोक्त वर्णित श्लोक में वे कहते हैं, भले ही कोई शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त करे, सभी देवताओं का पूजन करे, सभी प्रकारके कर्मकांड करे, देवताओं का भजन करे परंतु जब तक जीव ध्यान के माध्यम से आत्मा में पूर्ण रूप से स्थापित नहीं होता तब तक मुक्ति नहीं मिल सकती। भले ही करोड़ों वर्ष क्यों न बीत जायें, मोक्ष के लिये आत्मा में स्थापित होना जरूरी है। प.पू. श्रीमाताजी कहते हैं कि, आत्मसाक्षात्कार पाये बिना आत्मा में स्थित नहीं हो सकते। और जब आपको आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तो आप चित्त को अंतर्मुखी बनाकर अपने हृदय में या सहस्त्रार चक्र यानि कि ब्रह्मरंध्र पर स्थिर करने की कला सीख सकते हैं। और आप भूत व भविष्य के विचारों से मुक्त होकर वर्तमान में स्थित हो जाते हैं। निर्विचार ध्यान का अनुभव आपको अंदर से शक्तिवान और आनंदमयी बना देता है। समस्त तनाव, परेशानियां, रोग, शोक आदि से आप मुक्त हो जाते हैं। इस अद्भुत व अकल्पनीय अनुभव को प्राप्त करने हेतु सहजयोग ध्यान को एक अवसर अवश्य प्रदान करें। नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

करैरा पुलिहो नें 2 स्थाई वारंटी और 2 गिरफ्तारी वारंटी दबोचे, कोर्ट ने सभी को जेल भेजा

दीपक परमार

करैरा : पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले और एसडीओपी करैरा आयुष जाखड़ (IPS) के निर्देशन में चल रहे विशेष अभियान के तहत करैरा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है पुलिस ने 2 स्थाई वारंटी और 2 गिरफ्तारी वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से सभी को उप जेल करैरा भेज दिया गया अभियान के तहत थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद सिंह छाबई के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए चारों वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया

गिरफ्तार वारंटियों का विवरणः (1) दीपक उर्फ रायडू जाटव, निवासी चंगेज पहाड़ी — करैरा का सूचीबद्ध गुंडा, जो चार अलग-अलग मामलों में वांछित था उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, अवैध हथियार रखने, आगजनी और मारपीट सहित 10 से अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं दीपावली पर घर लौटने पर मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उसे दबोच लिया

(2) नरेंद्र रावत, निवासी रमगढ़ा — दो चेक बाउंस मामलों में वांछित चल रहा था

(3) तोरन जाटव, निवासी ग्राम खड़ीचा — विद्युत अधिनियम की धारा 135 के तहत वर्ष 2019 में दर्ज प्रकरण में स्थाई वारंटी था।

(4) मंगल सिंह जाटव, निवासी ग्राम सिलरा — विद्युत अधिनियम धारा 135 के मामले में 2019 से स्थाई वारंटी थासभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद कोर्ट ने उप जेल करैरा भेजने के आदेश दिए।

कार्रवाई में शामिल पुलिस टीमः

थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद सिंह छाबई, उनि. पुष्पेन्द्र सिंह चौहान, सउनि. शैलेन्द्र सिंह चौहान, प्रआर. राजेन्द्र यादव, प्रआर. शरद कुमार, आर. मनीष कुमार, आर. गोविन्द्र रावत, आर. राघवेन्द्र पाल, तथा एनआरएस मनमोहन तोमर, एनआरएस मिथुन परिहार, एनआरएस उदल सिंह, एनआरएस सुमित गुप्ता की विशेष भूमिका रही.!!*

रणजीत टाइम्स

नाकामयाबी को स्वीकारना सीखें

कामयाबी कोई स्थायी लक्ष्य नहीं है, यह तो महज एक सफर है। इसमें आने वाली असफलताओं और चुनौतियों से सीखें और आगे बढ़ते रहें...

ज्यादातर लोग किसी बातचीत या चर्चा के बाद सिर्फ अपनी सफलताओं को याद रखते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि असफलताएं ही हमारे मन पर सबसे गहरी छाप छोड़ती हैं। असफल होना कोई हार नहीं, बल्कि सीखने का सुनहरा अवसर है, खासकर जब बात संचार यानी बातचीत की हो। चाहे वह इंटरव्यू हो, किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर बहस हो या ग्रुप-डिस्कशन, हर असफल संवाद हमें कुछ न कुछ सिखाकर ही जाता है। कभी-कभी बेहतरीन वक्ता भी अपनी बात को सही ढंग से प्रस्तुत नहीं कर पाते। ऐसे में खुद को दोष देने के बजाय यह समझना जरूरी है कि इन गलतियों से क्या और कैसे सीखा जा सकता है। ऐसा आप तभी कर सकते हैं, जब आप असफलता को ठोकर नहीं, बल्कि आगे बढ़ने की सीढ़ी मानें। इसके लिए सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि गलती हुई कहां और क्यों, ताकि अगली बार वही गलती दोहराई न जाए।

■ असफलता को नकारें नहीं

असफलता से सीखने का पहला कदम उसे नकारने के बजाय स्वीकार करना है। बहुत से लोग यह स्वीकार करने से कतराते हैं कि बातचीत वास्तव में विफल रही। इससे उनके लक्ष्य अप्राप्त रह जाते हैं। जरूरी नहीं कि हर बातचीत सफल हो ही जाए। ऐसे में, आगे बढ़ने के लिए वास्तविकता का सामना करना जरूरी हो जाता है। विफलता को स्वीकार करने से आप सीख सकते हैं और आगे की बातचीत को बेहतर बना सकते हैं।

■ आकलन करें

असफल बातचीत से सीखने का अगला चरण यह है कि क्या गलत हुआ और क्यों? इसका मुख्य कारण जानने के लिए समग्र स्थिति को देखना जरूरी है। स्थिति का विश्लेषण करके आप उस सटीक क्षण की पहचान कर सकते हैं, जहां बातचीत में कोई गलती हुई हो। आप वार्ता को छोटे-छोटे भागों में विभाजित करके तथा प्रगति में बाधा डालने वाले विशिष्ट कार्यों और निर्णयों का आकलन करके इसकी पहचान कर सकते हैं।

■ आत्म-सुधार की ओर

उन कमजोरियों को पहचानें, जिन्होंने विफल वार्ता में भूमिका निभाई और उन्हें सुधारने के लिए अपना पूरा जोर लगा दें। इसके लिए बातचीत का पूरी ईमानदारी से विश्लेषण करें और नए तथा अधिक प्रभावी कौशल सीखने पर जोर दें। आखिर में, यदि आपके पास बातचीत करने का दूसरा मौका है, तो पूरे आत्मविश्वास के साथ उसके लिए खुद ही पहल करें। हर असफल बातचीत, अगली सफलता की नींव रखती है।

सबक सीखें

तीसरा चरण इन गलतियों से सबक सीखना और भविष्य में उन्हें लागू करना है। हालांकि, सभी बातचीत एक जैसी नहीं होती है। किसी स्थिति में जो कामयाब या नाकाम रही, वह दूसरी स्थिति में भी लागू, ऐसा जरूरी नहीं है। जब कोई नई बातचीत शुरू करें, तो यह समझने के लिए एक गहन तुलनात्मक विश्लेषण करें कि यह पिछले अनुभव से कैसे मेल खाती है या उससे कैसे अलग है? साथ ही, चुनौतियों के आधार पर अपने दृष्टिकोण में बदलाव करें। कहने का आशय है कि अपने अनुभवों से सीखें।

मेहनत का बीज कभी व्यर्थ नहीं जाता

धूप से तपती दोपहर थी। समुद्र किनारे एक छोटा-सा लड़का बैठा था, जिसका नाम था कबीर। उसके हाथों में बालू थी, आंखों में चमक और मन में एक 'रेत का महल' बनाने का सपना। लहरें बार-बार आतीं और उसका बनता महल गिरा देतीं। हर बार वह फिर उठता, फिर बनाता। पास खड़े कुछ लोग हंसते और कहते 'अरे बच्चे! रेत के महल कभी टिकते हैं भला?' कबीर बस मुस्कुराकर कहता, 'अगर मैं कोशिश छोड़ दूं, तो टिकने का मौका ही नहीं दूंगा।' वक्त बीता, साल गुजर गए। कबीर अब वही लड़का नहीं रहा, अब वह दिल्ली में इंजिनीयरिंग की पढ़ाई कर रहा था। पर एक चीज जो नहीं बदली वह था उसका महल बनाने का जज्बा। कॉलेज में कबीर को हर तरफ कड़ी प्रतिस्पर्धा, चुनौतियां और असफलताएं मिलीं। वह पहले साल में फेल भी हुआ। दोस्तों ने कहा, 'इंजीनियरिंग तेरे बस का नहीं। कोई छोटी-मोटी नौकरी कर ले।' लेकिन कबीर के अंदर एक आवाज गूंजती रही कि लहरें जितनी बड़ी हों, तट भी उतना मजबूत बनाना पड़ता है।' उसने खुद को संभाला। सुबह पांच बजे उठना, दिनभर पढ़ाई, रात को नोट्स बनाना उसकी दिनचर्या बन गई। जब सब छुट्टियों में घर चले जाते, वह लैब में बैठा रहता, मशीनें ठीक करता, प्रयोग करता। तीसरे साल में उसने एक ऐसा छोटा सोलर प्रोजेक्ट बनाया, जो गांवों में बिजली की कमी पूरी कर सकता था। लेकिन फिर भी, उस प्रोजेक्ट को कॉलेज की प्रतियोगिता में यह कह कर रिजेक्ट कर दिया गया कि उसकी क्वालिटी स्टैंडर्ड ठीक नहीं है। उस रात कबीर टूटा। उसे लगा सब खत्म हो गया। लेकिन तभी उसे अपने बचपन का वो रेत का महल याद आया। अगले ही दिन उसने फिर काम शुरू किया। रात-दिन एक कर दिया। अपने दोस्तों को जोड़ा। सबने मिलकर उस प्रोजेक्ट को और बेहतर बनाया। तीन महीने बाद, जब राष्ट्रीय स्तर पर 'यूथ इनोवेशन चैलेंज' हुआ, तो कबीर का वही प्रोजेक्ट चुना गया। वह मंच पर गया, हाथ में ट्रॉफी थी, आंखों में आंसू जरूर थे लेकिन चहरे पर एक अजीब सी मुस्कान भी। जब उससे पूछा गया, 'कबीर, तुम्हें यह मुकाम कैसे मिला?' उसने कहा, 'मेहनत वह बीज है, जो कभी व्यर्थ नहीं जाता। बस उसे सींचने की हिम्मत चाहिए, वक्त खुद उसका फल बन जाता है।'

कहानी का संदेश

असफलता अंत नहीं, बल्कि शुरुआत का संकेत होती है। समय आपका इम्तिहान जरूर लेता है, लेकिन आपकी मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती।

मौलिक विचारों को हमेशा तरजीह दें

बेशक आप ऑफिस में अपने काम में माहिर हों, लेकिन यदि आपका मिजाज लोगों से मेल नहीं खाता, तो आप एक अच्छे लीडर की भूमिका नहीं निभा सकते...

बेहतर लीडर वही होता है, जिसे पता हो कि लक्ष्य तक पहुंचने का सर्वश्रेष्ठ मार्ग मालूम हो। आप ऑफिस में बॉस द्वारा दिए गए कार्यों को बाकी साथियों की तुलना में अच्छे-से करना जानते हैं, पर यदि आपका मिजाज लोगों से मेल नहीं खाता, तो यकीनन आप एक अच्छे लीडर की भूमिका नहीं निभा सकते। अमूमन कई लोग ऑफिस में अपनी भूमिका को बेहतर करने के लिए अनुभवी लोगों से सलाह लेते हैं, जो उन्हें कड़ी मेहनत करने का मशविरा देते हैं, लेकिन अपनी क्षमता प्रदर्शित करने के लिए मेहनत ही एकमात्र तरीका नहीं है, आप अपनी प्रतिभा व विश्वसनीयता सही ढंग से और सही लोगों तक पहुंचाकर भी अपनी नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन कर सकते हैं।

■ सहकर्मियों के साथ अच्छा व्यवहार

कुछ वर्ष पहले मेटा की वूमेन लीडरशिप समिट में मशहूर लेखिका कार्ला हैरिस ने कहा था, 'जो लोग तकनीकी क्षेत्रों में कौशल को अधिक महत्व देते हैं, उनका मूल्यांकन प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। पर समस्या यह है कि केवल बेहतर प्रदर्शन ही लीडरशिप की क्षमता प्रदर्शित करने का एकमात्र माध्यम नहीं है, बल्कि सहकर्मियों के साथ आपका अच्छा व्यवहार भी इसमें अहम भूमिका निभाता है। लीडर के लिए जरूरी है कि वह टीम में नए व मौलिक विचारों को लगातार प्रोत्साहन दे।

■ खुद की ब्रांडिंग करना सीखें

अक्सर शांत रहने वाले लोगों के लिए परिस्थितियां तब अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाती हैं, जब वे अपने कार्यों को ठीक ढंग से प्रस्तुत नहीं कर पाते। इसलिए आपको अपने काम की और इस बहाने खुद की ब्रांडिंग करना सीखना होगा। चुनौतियों से बचने की प्रवृत्ति ठीक नहीं। अगर आप लीडर बनना चाहते हैं, तो समस्याओं के नए समाधान ढूंढ़ने का प्रयास करें। इसके अलावा यदि आप बोलने में झिझक महसूस करते हैं, तो भी अपने बॉस के साथ अच्छा संबंध बनाने की कोशिश करें।

■ सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा दें

एक अच्छे लीडर के रूप में खुद को उभारने के लिए आपके अंदर ज्ञान व साहस, दोनों गुण होने चाहिए। आप कंपनी में एक टीम का हिस्सा हैं, पर टीम में रहते हुए अन्य साथियों की तुलना में अलग दिखना चाहते हैं या आप चाहते हैं कि सहकर्मी आपको एक लीडर के रूप में मान्यता दें, तो शुरुआत सामूहिक प्रयास से करें। अपनी क्षमता व कौशल विकसित करने के लिए टीम की उपलब्धियों के बारे में बात करें और उन कार्यों में अपने व्यक्तिगत योगदान की भी चर्चा करें। साथ ही, टीम को बताएं कि इस प्रोजेक्ट में उनका योगदान अति प्रशंसनीय है और अगर उनका सहयोग न मिला होता, तो कार्य समय से पूरा न हो पाता। इससे टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वह समर्पित होकर काम कर पाएगी।

■ इंसानियत को बनाए रखें

आधुनिक कॉरपोरेट संस्कृति में लीडरशिप का मतलब सिर्फ लक्ष्य हासिल करना नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण बनाए रखना भी है। संवेदनशील लीडर ही वह होता है, जो टीम की भावनाओं को समझता है और उन्हें सम्मान देता है। इसलिए आप भी ऐसा करने पर जोर दें। लीडरशिप केवल पद नहीं, बल्कि भरोसे का रिश्ता है। जब टीम को यह विश्वास हो जाता है कि आप उनके निर्णयों और प्रयासों की कद्र करते हैं, तो वे हर चुनौती में आपके साथ खड़े रहते हैं। भरोसा ही वह अदृश्य धागा है जो टीम को जोड़े रखता है।

■ सीखते रहने की मानसिकता अपनाएं

एक सच्चा लीडर वह है जो हर दिन कुछ नया सीखने की कोशिश करता है, चाहे वह तकनीकी कौशल हो, मानवीय व्यवहार की समझ हो या भावनात्मक बुद्धिमत्ता। सीखना बंद कर देना ही नेतृत्व की सबसे बड़ी असफलता है। लीडर को आत्मविश्वासी होना चाहिए, पर अहंकार से दूर। आत्मविश्वास दूसरों को प्रेरित करता है, जबकि अहंकार उन्हें दूर कर देता है। अपने विचार रखें, लेकिन दूसरों की राय को भी सम्मान दें। यही संतुलन आपको एक सच्चा "पीपल्स लीडर" बनाता है।

■ संवाद में संवेदना रखें

आपकी बातों में विनम्रता, सहानुभूति और सकारात्मकता झलकनी चाहिए। यही वह गुण हैं जो लोगों को आपकी ओर आकर्षित करते हैं और आपको एक सशक्त टीम लीडर बनाते हैं।

परीक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण

कई प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीपीसीएसी, आरओ-एआरओ, पुलिस एसआई-कॉन्स्टेबल, यूपीएसएसएससी आदि में करंट अफेअर्स से जुड़े प्रश्न पूछे ही जाते हैं। थोड़ी-सी मेहनत करके इनमें पूरे अंक हासिल किए जा सकते हैं।

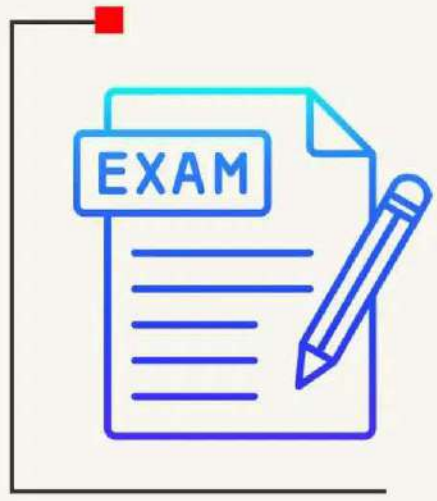

- प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के लिए सेवा पर्व 2025 अभियान कितने दिनों तक चला?
  उत्तर: 15

- पहली राष्ट्रीय भूतापीय नीति में उल्लिखित भारत का भूतापीय ऊर्जा क्षमता लक्ष्य क्या है?
  उत्तर: 10 गीगावाट

- विशाखापत्तनम के पास कौन-से लाल रेत के टीले यूनेस्को की संभावित सूची में शामिल हुए हैं?
  उत्तर: एर्रा मट्टी डिब्बालु

- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के नए निदेशक कौन बने हैं, जिनका कार्यकाल पांच वर्ष का होगा?
  उत्तर: प्रोफेसर प्रदीप कुमार प्रजापति

- हाल ही में हुए फेरबदल में केंद्र द्वारा कितने संयुक्त सचिव नियुक्त किए गए हैं?
  उत्तर: 35

- आदित्य बिड़ला कैपिटल के नए सीईओ के रूप में किसे नियुक्त किया गया है, जिनका कार्यकाल एक सितंबर, 2025 से शुरू होगा?
  उत्तर: विशाखा मुल्ये

- चुनाव आयोग ने कितने गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटा दिया है?
  उत्तर: 474

- भारत 1965 के भारत-पाक युद्ध की कितनी वर्षगांठ मना रहा है?
  उत्तर: 60

- दिसंबर 2025 में लॉन्च होने वाले IRDAI के वन-स्टॉप डिजिटल बीमा प्लेटफॉर्म का नाम क्या है?
  उत्तर: बीमा सुगम

- 21 सितंबर, 2025 को अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा घोषित दो जीएसटी स्लैब क्या हैं?
  उत्तर: पांच और 18 फीसदी

- प्रधानमंत्री मोदी ने कितने भारतीयों को "नव मध्यम वर्ग" के रूप में पहचाना?
  उत्तर: 25 करोड़ रुपये

- औद्योगिक पार्क रेटिंग प्रणाली 3.0 का शुभारंभ किसने किया?
  उत्तर: पीयूष गोयल

- राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए शुरू की गई नई लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन बेंचमार्किंग प्रणाली का नाम क्या है?
  उत्तर: लीडस् 2025

- रीयल-टाइम निर्यात कंटेनर ट्रैकिंग के लिए अनावरण किए गए उन्नत डिजिटल प्लेटफॉर्म का नाम क्या है?
  उत्तर: एलडीबी 2.0

- भारत अंतरराष्ट्रीय समुद्र तल प्राधिकरण के साथ कितने पॉलीमेटेलिक सल्फाइड अन्वेषण अनुबंध करने वाला पहला देश बन गया है?
  उत्तर: दो

- जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा शुरू की गई छात्र नेतृत्व पहल का नाम क्या है?
  उत्तर: आदि कर्मयोगी छात्र अध्याय

- अगस्त 2025 में भारत के आठ प्रमुख उद्योगों की वृद्धि दर क्या थी?
  उत्तर: 6.3 फीसदी

- मेक इन इंडिया पहल ने सितंबर 2025 में कितने वर्ष पूरे कर लिए हैं?
  उत्तर: 11 वर्ष

- भारत ने किस बंदरगाह पर स्वैपेबल बैटरी वाले अपने पहले ईवी ट्रक बेड़े का शुभारंभ किया?
  उत्तर: जेएनपीए

- प्रधानमंत्री मोदी ने ₹65,000 करोड़ से अधिक मूल्य की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा के लिए किस प्रगति बैठक की अध्यक्षता की?
  उत्तर: 49वां

- रेलवे कर्मचारियों के लिए कितने दिनों के उत्पादकता से जुड़े बोनस को मंजूरी दी गई?
  उत्तर: 78 दिन

- वित्त मंत्री द्वारा शुरू किए गए जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण का संक्षिप्त नाम क्या है?
  उत्तर: जीएसटीएटी

- सरकार ने चांदी और बिना जड़ाऊ आभूषणों के आयात पर किस तारीख तक प्रतिबंध लगा दिया है?
  उत्तर: 31 मार्च, 2026

- FSSAI द्वारा समर्पित लाइसेंसिंग पोर्टल पर कितने आयुर्वेदिक नुस्खों को मंजूरी दी गई?
  उत्तर: 91

- 2025 में 25वां एससीओ शिखर सम्मेलन कहां आयोजित किया गया था?
  उत्तर: तियानजिन, चीन

दीपावली महापर्व पर भटोनी में आज भी पुरानी परंपरा निभातें हुए गाय बछडा को छाबडा खिलाते हैं

संजय प्रेम जोशी

समीपस्थ भटोनी गांव में गाय बछडा को छाबडा खिलाते हुए आयोजन पर गांव व क्षेत्र वासी उत्साह से आयोजन को देख कर उत्साह मनाते है इस आयोजन में ग्राम पंचायत सेमली बुजुर्ग के ग्राम भटोनी में आज भी पुरानी परंपरा को चलाते हुए दीपावली की पड़वा के दिन गाय बछड़ा को छाबड़ा खिलाते हैं व खिलाते हुए ग्राम वासी एवं पटाखे वा ढोल द्वारा बड़े ही धूमधाम से दीपावली मनाई जाती है इस आयोजन पर ग्राम पंचायत के सरपंच अर्जुन सिंह सेंधव द्वारा जानकारी में बताया गया कि यह आयोजन अनेक वर्षों से हो रहा है व आयोजन पर भटोनी गांव में ढोल से पूरे गांव में निकल कर पटाखे फोड़ कर आयोजन पर उत्साह मनाया जाता है। ढोल के साथ गांव के वरिष्ठ जन व आमजन शामिल होते हैं व धूमधाम से आयोजन मनाते हैं।

क्यों जरुरी है स्वयं को जानना

जानें सहज योग से

जब तक हम स्वयं को नहीं जानेंगे हम ईश्वर को नहीं जान सकेंगे इसीलिए स्वयं को जानना होगा। हमारे अंदर स्थित आत्म तत्व से साक्षात्कार पाना ही आत्म साक्षात्कार है। नचिकेता की कथा से बात थोड़ी और स्पष्ट होती है। नचिकेता ने अपने पिता का विरोध किया था जब वे बीमार गायों को ब्राम्हणों को दान में रहे थे। नचिकेता चाहते थे पिता स्वस्थ गायों को दान में दें। नचिकेता की दखलअंदाजी से क्रोधित पिता वाजश्रवा ने क्रोध में आकर नचिकेता को ही यमराज को दान में दे दिया। नचिकेता के अच्छे गुणों से यमराज इतने खुश हुये कि उन्होंने नचिकेता से तीन वर मांगने को कहा। दो वर नचिकेता ने अपने पिता के लिए मांगा पहला यह कि उनका क्रोध समाप्त हो और दूसरा कि उन्हें स्वर्ग की प्राप्ति हो और तीसरे वर में नचिकेता ने आत्मा के रहस्य का ज्ञान जानने की इच्छा रखी। यमराज इस रहस्य को उजागर नहीं करना चाहते थे। पर नचिकेता रहस्य जानने के लिए अड़ गये। यमराज ने नचिकेता को जो आत्मा का रहस्य बताया वह कठोपनिषद में निम्न प्रकार से वर्णित है -

"यमराज ने कहा नचिकेता आत्मतत्व कोई साधारण बात नहीं है। संसार में अधिकांश मनुष्य ऐसे हैं जिनको आत्म कल्याण के बारे में कुछ भी सुनने को नहीं मिलता। वे ऐसे वातावरण में रहते हैं जहाँ प्रातः काल जगने से लेकर रात्रि को सोने तक

केवल विषय पर ही चर्चा ही हुआ करती है। उनके मन में आत्म तत्व को सुनने समझने की कल्पना ही नहीं आती या मंदबुद्धि के कारण वो उसे समझ ही नहीं पाते हैं। परंतु तीक्ष्ण बुद्धि पुरुष उस आत्म तत्व को समझ लेते हैं वे आत्म तत्व को आत्मदर्शी आचार्य के द्वारा उपदेश प्राप्त करके अपने जीवन को सफल बनाते हैं।"

आत्मा सर्वशक्तिमान परमात्मा का प्रतिबिंब है। आत्मा के रुप में ईश्वर हमारे अंदर स्थित है। हमें उनका आभास नहीं होता क्योंकि हमारा चित्त उनमें नहीं होता हैं। चित्त के लिए हम सभी को स्वतंत्रता है कि जैसा चाहे अपने चित्त का इस्तेमाल करे। लेकिन यदि हम सचमुच ईश्वर को पाना चाहते हैं तो हमें अपने आत्मा का दर्शन के लिए शुद्ध इच्छा करनी होगी। हम चाहे किसी भी धर्म से जुड़े हों हमारे लिए ईश्वर एक शक्ति है, विश्वास है। यदि हम धार्मिक हैं तो हम ईश्वर के अस्तित्व पर विश्वास करते हैं। पर, उन्हें पा लेना हमारी कल्पना से परे है, हम इसे पूर्णतया असंभव समझते हैं।

इसी कल्पना को वास्तविकता बनाता है सहज योग। सहज योग माध्यम से आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करना सरल है। आत्मसाक्षात्कार के बाद हम सबमें एक ही चीज प्रतिबिंबित होती है, वह है आत्मा का प्रकाश। फलस्वरूप हम अपनी हथेलियों व सिर के तालु भाग पर ठंडी लहरियों को महसूस करने लगते हैं, यह चैतन्य लहरी है। हर आत्मसाक्षात्कारी को अनुभव एक सा ही आता है। ये चैतन्य लहरियां ही ईश्वर की अनुभूति है। इन चैतन्य लहरियों को पाने के बाद हम निर्विचार समाधि में चले जाते हैं। यह वो अवस्था होती जिसके लिए संत हिमालय पर जाकर तप किया करते थे। अब इस घोर कलियुग में परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी प्रणित सहज योग के माध्यम से यह ज्ञान सहजता से मिल रहा है। यह जड़ का ज्ञान है और इसके लिए हमें भी सुक्ष्म होना पड़ेगा ताकि हम अपने चित्त को अपने अंदर ले जा सके, कुंडलिनी जागृति की गूढ़ता को समझें और सहस्त्रार में परमात्मा के दिव्य शक्ति से संपर्क स्थापित कर सकें। ऐसा होते ही हम अपने सारे अवगुणों से मुक्त हो जाते हैं और अपने आत्मा रुपी दर्पण में अपनी दिव्यता को देखने में समर्थ हो जाते हैं।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना
"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!
बस हमें भेजिएः 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो
2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।
भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278
रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"
रणजीत टाइम्स

दिवाली से सीखें जीवन के मूल्य

यह त्योहार आज के युवाओं के लिए सीखने, आत्मनिरीक्षण करने और अपने लक्ष्य को परिभाषित करने का अवसर भी है...

दिवाली केवल दीपों का त्योहार नहीं, बल्कि यह अंधकार पर प्रकाश की विजय, अज्ञान पर ज्ञान की जीत और आलस्य पर मेहनत की शक्ति का गहरा संदेश लेकर आता है। यह त्योहार हर वर्ष हमें याद दिलाता है कि जैसे दीपक अंधकार को दूर करता है, वैसे ही हमारी मेहनत, लगन और सकारात्मक सोच जीवन के अंधकार को मिटा सकती है। आज के युवाओं और छात्रों के लिए दिवाली सिर्फ मिठाइयां और पटाखों का उत्सव नहीं, बल्कि सीखने, आत्मनिरीक्षण करने और अपने लक्ष्य को परिभाषित करने का अवसर भी है। आइए जानते हैं कि दीवाली से आप कौन-कौन सी सीख लेकर उसे जीवन में उतार सकते हैं।

■ निरंतर प्रयास व लक्ष्य पर ध्यान

अंधेरे पर उजाले की जीत ही दीपावली का सबसे बड़ा संदेश है। अंधकार का अर्थ केवल रात का अंधेरा नहीं, बल्कि जीवन की कठिनाइयां, असफलताएं और भ्रम भी हैं। छात्रों के लिए यह सीख है कि हर चुनौती और कठिन परिस्थिति केवल अस्थायी है। जैसे दीपक की एक लौ अंधकार को चीरकर उजाला फैलाती है, वैसे ही लगातार प्रयास, मेहनत और सकारात्मक सोच जीवन में उजाला ला सकती है। परीक्षा, प्रतियोगिता या कॅरियर की मुश्किलें कभी अंतिम नहीं होतीं। असली जीत उन्हीं को मिलती है, जो असफलताओं के बावजूद मेहनत करना नहीं छोड़ते।

दीपक की एक लौ यानी छोटे कदमों की शक्ति

दीपक की एक लौ कितनी छोटी क्यों न हो, अंधकार को मिटाने की शक्ति रखती है। इसी तरह, छोटे-छोटे कदम भी बड़ी उपलब्धियों की नींव बनाते हैं। छात्रों और युवाओं के लिए यह सीख महत्वपूर्ण है। अक्सर बड़ी सफलता का सपना देखकर लोग या तो डर जाते हैं या आलस्य में डूब जाते हैं। लेकिन अगर हम हर दिन थोड़ी मेहनत, थोड़ी तैयारी और थोड़े अभ्यास को अपनाएं, तो वह एक दिन बड़े परिणाम में बदल जाएगा।

■ साफ-सफाई: लक्ष्य प्राप्ति की योजना

दीपावली पर घर की सफाई और सजावट केवल भौतिक सफाई नहीं, बल्कि मन, विचार और आदतों की सफाई का प्रतीक भी है। दिवाली छात्रों के लिए यह संदेश लेकर आती है कि सफलता केवल प्रयास से नहीं, बल्कि योजना और तैयारी से आती है। इसलिए, अपने अध्ययन का समय सारिणी बनाएं। कमजोर विषयों और कौशल की पहचान करें। नियमित रूप से अपने लक्ष्य का मूल्यांकन करें। जैसे दीवाली पर घर को पूरी तरह साफ और व्यवस्थित किया जाता है, वैसे ही जीवन और दिनचर्या को व्यवस्थित करके सफलता की राह आसान बन सकती है।

■ सकारात्मक सोच का महत्व

दिवाली अंधकार और उजाले के बीच का अंतर समझने का अवसर भी देता है। जीवन में कई बार हम नकारात्मक सोच, डर या असफलता के अंधकार में खो जाते हैं। छात्रों और युवाओं को दिवाली से यह सीख लेनी चाहिए कि सकारात्मक सोच आपके उजाले का दीपक है। सकारात्मक सोच न केवल मनोबल बढ़ाती है, बल्कि नई रचनात्मक सोच व समाधान खोजने की शक्ति भी देती है। इसलिए, हर चुनौती को अवसर के रूप में देखें। हार मानने की बजाय असफलताओं से सीखें।

■ सफलता का सामूहिक पहलू

दिवाली का एक और पहलू है-मिलजुल कर त्योहार मनाना। यह सिखाता है कि सफलता अकेले नहीं, बल्कि सहयोग और समर्थन से मिलती है। छात्रों के लिए इसका मतलब है-सहपाठियों, मित्रों और मेंटर्स और प्रियजनों के साथ सहयोग करना, कठिन विषयों या प्रोजेक्ट्स में टीम वर्क अपनाना, अनुभव साझा करना और दूसरों से सीखना।